मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD–24

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.डी.–24 : मध्यकालीन कविता–02

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) रहिमन जिह्वा बावरी, कहिगै सरग पताल।
आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल॥

(ख) मूलन ही की जहाँ अधोगति केशव गाइय।
होम हुताशन धूम नगर एकै मलिनाइय।
दुर्गति दुर्गन ही जु कुटिल गति सरितन ही में।
श्रीफल को अभिलाष प्रगट कवि कुल के जी में।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ग) कोऊ नहीं बरजै 'मतिराम' रहो तित ही,

जित ही मन भायो,

काहेकौ सौहैं हजार करौ तुम,

तौ कबहूँ अपराध न ठायो।

सोवन दीजै, न दीजै हमें दुःख,

यों ही कहा रसवाद बढ़ायो;

मान रहोई नहीं मनमोहन!

मानिनी होय, सो मानैं मनायो॥

(घ) दुहूँ मुख चंद ओर चितवै चकोर दोऊ,

चितै चितै चौगुनो चितैवे ललचात है।

हौंसनि हँसत, बिन हाँसी विहंसत,

मिले गातनि में गात, बात बातनि में बात है।

प्यारी तन प्यारो पेखि, पेखि प्यारी पिय तन,

पियत न खात, नेकहू न अनखात है।

देखि न सकत, देखि-देख न थकत देव,

देखिवे की घात, देखि-देखि न अघात है॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. रीतिकालीन कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

3. रहीम के काव्य की अंतर्वस्तु की चर्चा कीजिए। 10

4. देव के काव्य–सौष्ठव पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10

5. केशव की कविता के भावपक्ष का विवेचन कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) लक्षण ग्रंथ

(ख) देव की कविताओं में प्रतीक विधान

(ग) रामचंद्रिका

(घ) कविप्रिया

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com